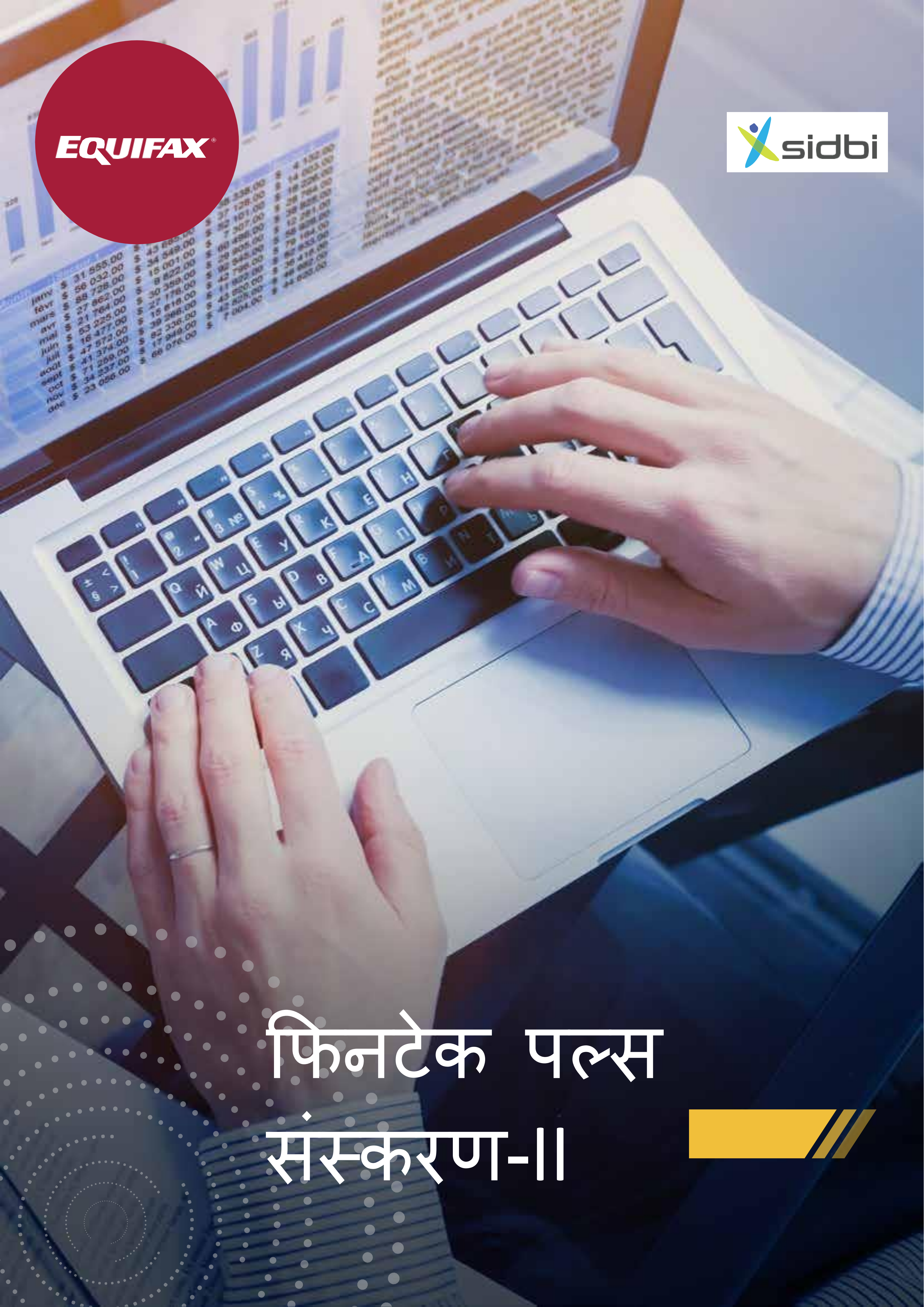

फिनटेक पल्स
संस्करण-II

विश्लेषणात्मक संपर्क

इक्विफैक्स

निपा मोदी
कंट्री लीडर - र्क्कफोर्स सोल्युशंस
फिनटेक , बीमा
nipa.modi@equifax.com

किरण समुद्रला
वी पी एनलेटिक्स
kiran.samudrala@equifax.com

सिडबी

कैलाश चन्द्र भानू मुख्य
महाप्रबंधक ,इआरडीए उद्धाग
erdav@sidbi.in

रंगदास प्रभावती
उप महाप्रबन्धक इआरडीए उद्धाग
erdav@sidbi.in

रमेश कुमार सहायक
प्रबन्धक इआरडीए उद्धाग
rameshk@sidbi.in

विषय सूची

- कार्यपालक सारांश
- फिनटेक पर्यावलोकन
- उत्पाद प्रकाश-बिंदु- व्यवसाय ऋण
- उत्पाद एवं भागोलिक पर्यावालोकन
- कोविड-19 का फिनटेक पर प्रभाव

कार्यपालक सारांश

2020 दुनिया के लिए एक अभूतपूर्व साल रहा है। दुनिया भर में और भारत में वित्तीय संस्थान कोविड 19 वैश्विक महामारी की अनिश्चितता और प्रभाव से जूझ रहे हैं। भारत ने कोरोना वायरस के प्रकोप को लॉकडाउन की एक श्रृंखला के माध्यम से कम करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। हालांकि इससे अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर हुआ है और पीक अवधि के दौरान ऋण वृद्धि पर भी प्रभाव पड़ा है। अनलॉक इंडिया की पहल ने गति पकड़ी है जिससे अर्थव्यवस्था भी धीरे-धीरे सामान्य की ओर अग्रसर हो रही है।

इस रिपोर्ट के आंकड़े उधार देने में रुझान को दर्शाते हैं जो कि एनबीएफसी फिनटेक ऋणदाताओं द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों पर निर्भर है। जैसी कि अपेक्षा थी, वर्ष की शुरुआत तेजी से हुई थी, और पहली तिमाही में अगली दो तिमाहियों से खुदरा ऋण में वृद्धि हुई है। हालांकि, ऋण की मांग एक बार फिर बढ़ रही है क्योंकि वित्तीय संस्थानों ने सावधानीपूर्वक अपने बटुए को फिर से उधार देने के लिए ढीला कर दिया है।

पिछले वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2021 की दो तिमाहियों में ऋण की शुरुआत सांकेतिक रूप से कम हुई। जनवरी फरवरी मार्च 20 की तुलना में व्यक्तिगत ऋणों में जुलाई अगस्त सितम्बर 20 में 71% की नकारात्मक वृद्धि दर के साथ एक नए ऋण संवितरण में गिरावट रही ।

फिनटेक ने छोटे आकार के लघु-अवधि के व्यक्तिगत और उपभोक्ता ऋणों पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखा जिसमें से 87% संवितरित ऋण इन्हीं उत्पाद श्रेणियों से हैं, एमएसएमई इकाइयाँ वैश्विक महामारी से ज्यादा प्रभावित हुई हैं, व्यवसाय ऋण पहली तिमाही में लुढका है, किन्तु दूसरी तिमाही में संवितरित ऋणों की संख्या में 15% की वृद्धि देखी गयी है। जबकि व्यवसाय ऋणों में फिनटेक की हिस्सेदारी 3% से कम है, फ़िनटेक अन्य उधारदाताओं की तुलना में अपचारिता का बेहतर प्रबंधन करने में सक्षम हैं।

जबकि आपदा के समय अनिश्चितता बढ़ती रहेगी, ऐसे ऋणदाता जो नयी व्यवस्था के अनुरूप अपने को ढालेंगे वे आगे बढ़ेंगे। परंपरागत ऋणदाताओं की तुलना में स्वाभाविक रूप से दक्ष फिनटेकों ने अधिक उन्नत उधार व्यवसाय मॉडल को अपनाया है, जो उनके अत्यधिक डिजिटलीकृत प्रस्तावों, अधुनातन विश्लेषणात्मक उपकरणों का उपयोग करके नए डेटा का लाभ उठाने की क्षमता, और जोखिम आकलन करने के अभिनव तरीकों का उपयोग करके उसका लाभ उठाएंगे।

फिनटेक पर कोविड 19 का प्रभाव

कोविड 19 के प्रतिकूल प्रभाव को पूरे विश्व ने 2020 में देखा है। एकाधिक लॉकडाउन ने आर्थिक गतिविधियों को गंभीर रूप से बंद कर दिया और देश भर में खुदरा ऋण वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

जबकि नया ऋण लगभग बंद हो गया और अधिकांश उधारदाताओं ने संग्रहण पर ध्यान केंद्रित किया, ऋण देने के नियमों में बदलाव हो गया क्योंकि अधिकांश ऋणदाताओं ने सतर्क दृष्टिकोण अपना लिया था, धीरे-धीरे तीसरी तिमाही में इसमें गति आयी। वित्त वर्ष 2021 की पहली और दूसरी तिमाही के दौरान अपचारिता के प्रबंधन का महत्व सर्वोपरि रहा क्योंकि उधारकर्ताओं को ऋण स्थगन का विस्तार दिया गया इससे भुगतान के तरीके में भी बदलाव आया।

कोविड 19 आपदा के समय सरकार ने आत्म निर्भर भारत (आत्मनिर्भर भारत) के निर्माण के लिए उद्योगों को मदद करने के लिए अपनी ओर से विभिन्न पहल की। सरकार द्वारा अपनाए गए प्रमुख उपायों में एमएसएमई उद्योग को तरलता उपलब्ध कराने के लिए 300,000 करोड़ रुपये के संपार्श्विक मुक्त ऋण, 20,000 करोड़ के अधीनस्थ ऋण और ₹50,000 करोड़ रुपये इक्विटी में लगाना आदि व्यापक वित्तीय पॅकेज में शामिल था।

यद्यपि यह एक कठिन दौर रहा है, पर सकारात्मकता की झलक दिख रही है। वैश्विक मंदी के बावजूद भारत के फिनटेक ने पिछले वर्ष के 726.6 मिलियन* से दोगुने से अधिक, लगभग $ 1.7 बिलियन जुटाए। स्मार्टफोन और डेटा की उपलब्धता के कारण, फिनटेकों द्वारा अपनी 300 मिलियन + असेवित उपभोक्ता श्रेणी को ऋण देना जारी रखा गया, जहां उच्च मांग अधिक बनी रहती है।

कई फिनटेक ऋणदाताओं जिसमें ऋणदाताओं के एग्रीगेटर भी शामिल हैं के लिए यह बहुत खराब वर्ष रहा, उन्हें अंडरराइटिंग की मूल बातें और संग्रह प्रथाओं के बारे में कई महत्वपूर्ण सबक भी मिले । जबकि नए फिनटेक तेजी से आगे बढ़ने में सक्षम हैं, यह महत्वपूर्ण है कि वे उचित मॉडल और स्कोरकार्ड का उपयोग करके अपनी जोखिम प्रक्रियाओं को अंशांकन करें , नियमित रूप से पोर्टफोलियो और ग्राहक खण्डों की उचित रूप से निगरानी करें । फिनटेक के पास खाता संचयक और प्रोटोकॉल जैसे नई पहल का लाभ उठाने की भी शक्ति है, जो डेटा के लोकतंत्रीकरण के लिए ओपन क्रेडिट इनेबल नेटवर्क (OCEN) का उपयोग है जो वित्तपोषण के लिए परिवर्तनकारी हो सकता है। इसके अलावा डिजिटल इंडिया की कहानी फिनटेक और उपभोक्ताओं द्वारा न केवल डिजिटल भुगतानों में अपनाई जा रही प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने के लिए नई तकनीकों के साथ तालमेल करना जारी रखती है, बल्कि आधार आधारित ई-साइन, वीडियो केवाईसी आदि जैसी तकनीकों का उपयोग उपभोक्ता यात्रा के लिए फिनटेक द्वारा अपनाई जा रही है। वित्तीय समावेशन पर आगे बढ़ने के लिए इन नई तकनीकों और डेटा स्रोतों को अपनाने के लिए फिनटेक पूरी तरह से सक्षम हैं।

*आंकड़े स्रोत: www.businessinsider.in

फिनटेक पर्यावलोकन

यथा 30 सितम्बर 2020 -फिनटेक पर्यावलोकन

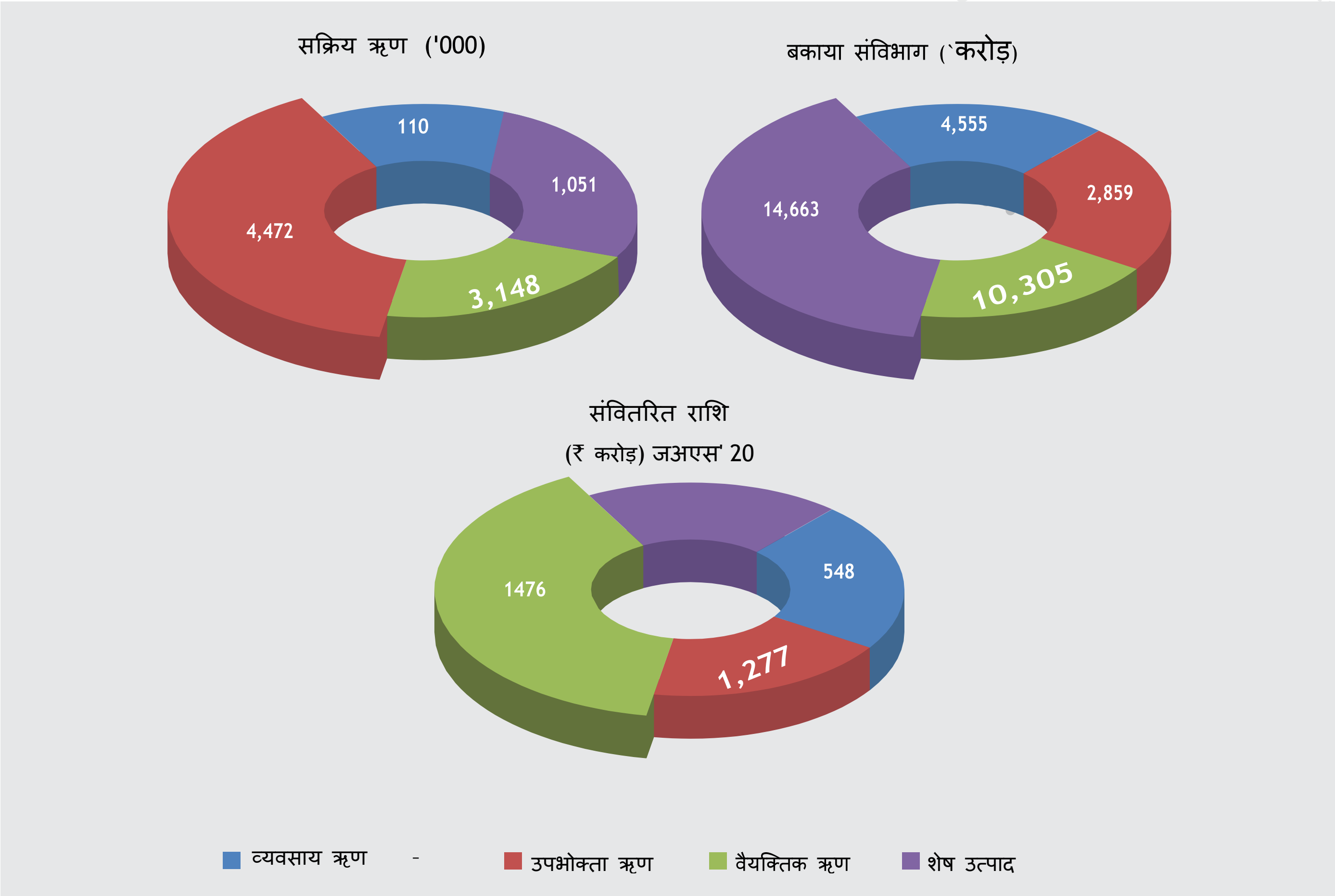

सितम्बर 20 का फिनटेक सार चित्र	व्यवसायऋण - सामान्य	उपभोक्ता ऋण	वैयक्तिक ऋण	शेष उत्पाद	सभी उत्पाद
सक्रिय ऋण	110	4,472	3,148	1,051	8,781
बकाया संविभाग (₹ करोड़ में)	4,555	2,859	10,305	14,633	32,382
संवितरित राशि (₹ करोड़ में) जु अ सि ' 20	548	1,277	1,476	990	4,291
औसत टिकट साइज (`)	622,412	8,744	8,164	183,717	12,880

- डेटा सितंबर 2020 तक फिनटेक के माध्यम से व्यक्तियों / व्यवसायों के लिए दिए गए ऋण का सार चित्र देता है।
- फिनटेक का प्रमुख केंद्रबिंदु उपभोक्ता ऋण और व्यक्तिगत ऋण, है जिसकी सक्रिय ऋण में 87% की हिस्सेदारी है ।

फिनटेक संवितरण रुझान

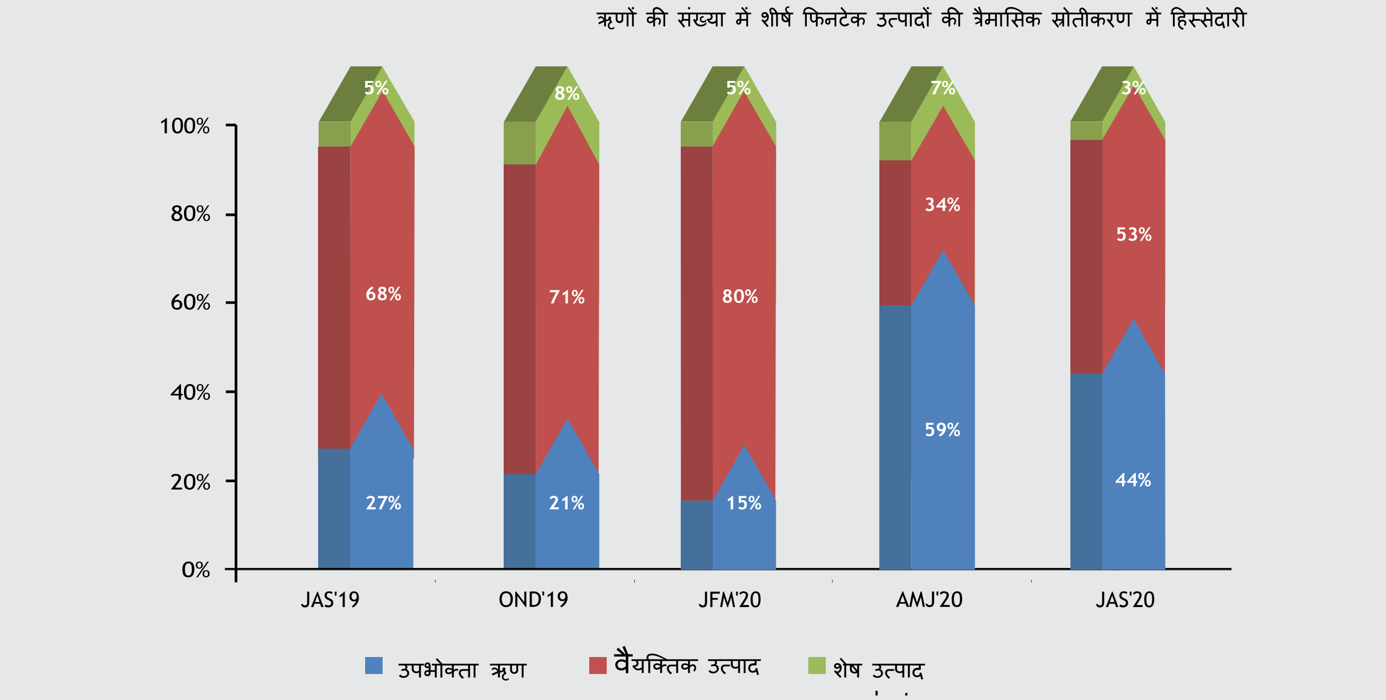

शीर्ष फिनटेक उत्पादों की त्रैमासिक स्रोतीकरण हिस्सेदारी और औसत टिकट आकार

शीर्ष उत्पाद(संवितरित राशि) (करोड़ में)	JAS'19	OND'19	JFM'20	AMJ'20	JAS'20
व्यवसाय ऋण सामान्य	1,175	1,224	1,012	280	548
वैयक्तिक ऋण	4,957	5,158	5,786	314	1,476
शेष उत्पाद	5,119	5,644	4,935	1,156	2,267

शीर्ष उत्पाद (औसत टिकट आकार)	JAS'19	OND'19	JFM'20	AMJ'20	JAS'20
व्यवसाय ऋण सामान्य	626,101	521,443	645,094	954,510	622,412
उपभोक्ता ऋण	15,376	12,969	12,869	8,512	8,744
वैयक्तिक ऋण	14,307	10,039	9,158	7,690	8,164
शेष उत्पाद	115,044	97,884	109,451	68,670	183,717

- भारत में लॉकडाउन लागू होने पर अप्रैल मई जून '20 तिमाही के दौरान सभी उत्पादों के संवितरित राशि में महत्वपूर्ण रूप से कमी आयी है।
- वैयक्तिक ऋण घटक के संवितरण में 95% गिरावट के साथ सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। हालाँकि अब ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अप्रैल मई जून '20 तिमाही की तुलना में जुलाई अगस्त सितम्बर 20 तिमाही में रिकवरी के संकेत को देखा जा सकता है।
- पिछले वर्ष से व्यक्तिगत और उपभोक्ता ऋण दोनों के औसत टिकट आकार में भारी गिरावट हुई है और अब दोनों ₹9,000 से कम की राशि के हैं।

तिमाही फिनटेक संवृद्धि

शीर्ष फिनटेक उत्पादों की त्रैमासिक बाजार हिस्सेदारी (ऋणों की संख्या के आधार पर)

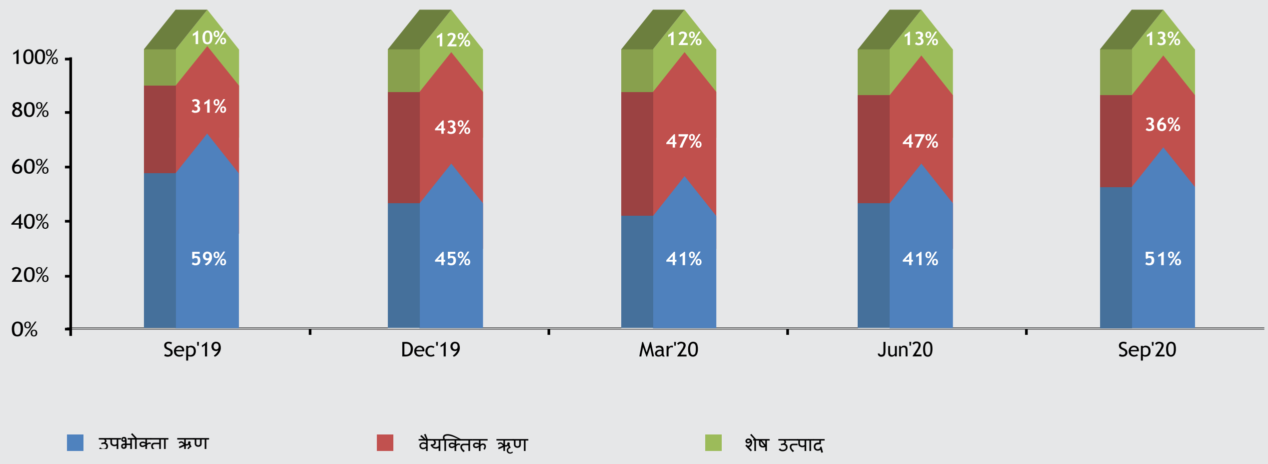

शीर्ष फिनटेक उत्पादों की त्रैमासिक बाजार हिस्सेदारी (बकाया संविभाग आधार पर)

शीर्ष उत्पाद (₹करोड़ में)	सितम्बर'19	दिसंबर '19	मार्च '20	जून '20	सितम्बर'20	वर्षानुवर्ष वृद्धि दर %
व्यवसाय ऋण सामान्य	5,653	6,269	4,187	4,498	4,555	-19%
वैयक्तिक ऋण	7,951	10,078	11,750	10,697	10,305	30%
शेष उत्पाद	9,850	14,528	18,504	17,568	17,522	78%
सभी उत्पाद	23,455	30,875	34,441	32,763	32,382	38%
तिमाही दर तिमाही वृद्धि दर%	-	32%	12%	-5%	-1%	-

- सितम्बर19 की तुलना में सितम्बर 20 में इस वर्ष बकाया पोर्टफोलियो में 38% की दर से वृद्धि हुई है, जोकि ₹32,382 करोड़ है।

Vision
Strategy
Business Loan
Growth
Success

व्यवसाय ऋण - सामान्य

यथा 30 सितम्बर 2020 उद्योग सार चित्र

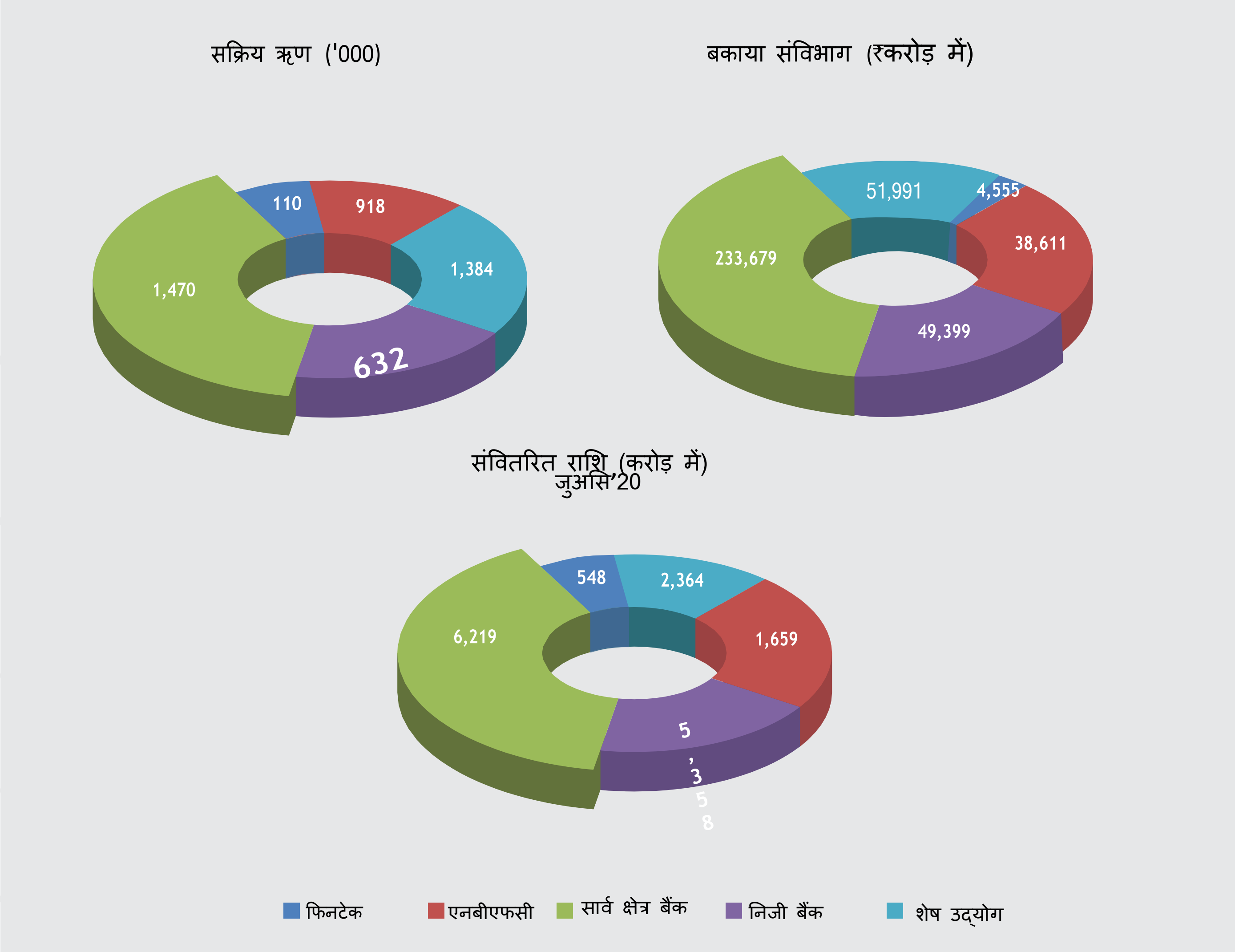

यथा 30 सितम्बर 2020 व्यवसाय ऋण सार चित्र	फिनटेक	एनबीएफसी	सार्व क्षेत्र बैंक	निजी बैंक	शेष उद्योग	कुल उद्योग
सक्रिय ऋण ('000)	110	918	1,470	632	1,384	**4,514**
बकाया संविभाग (करोड़ में)	4,555	38,611	233,679	49,399	51,991	**378,235**
संवितरित राशि (करोड़ जुअसि 20	548	1,659	6,219	5,358	2,364	**16,148**
90+ अपचारिता	3.25%	5.75%	6.33%	1.18%	3.53%	**5.18%**

- फिनटेक केवल 2.44% की कुल हिस्सेदारी के साथ व्यापार ऋण के बाजार में पीछे है। हालांकि औसत उद्योग से नीचे अपचारिता रखने में फिनटेक उद्योग सक्षम है।

व्यवसाय ऋण - सामान्य के संवितरण रुझान

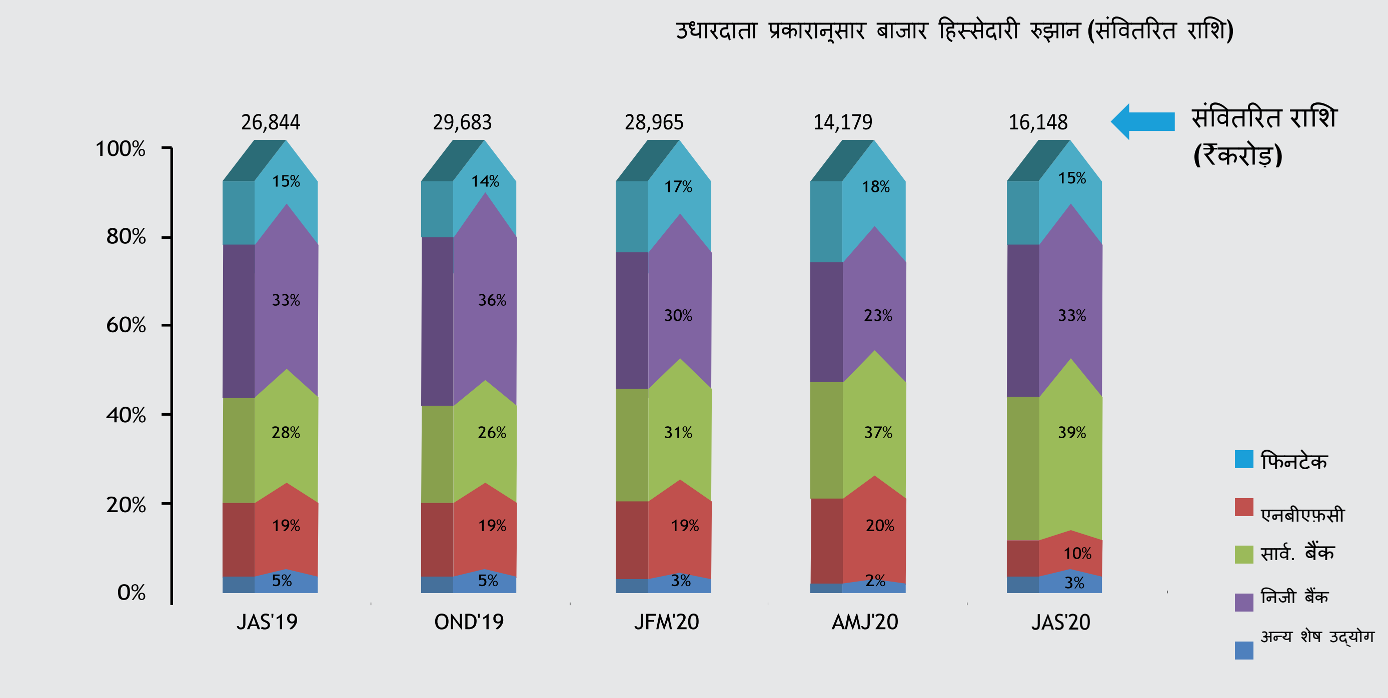

संवितरित ऋणों की संख्या ('000)

उधारदाता श्रेणी	जअसि'19	अनदि' 19	जफमा' 20	अमजू' 20	जअसि' 20
फिनटेक	19	24	16	3	9
एनबीएफ़सी	81	82	75	41	20
सार्व. बैंक	57	45	36	89	51
निजी बैंक	61	79	67	28	56
अन्य शेष उद्योग	73	84	79	38	93
उद्योग कुल योग	**291**	**314**	**273**	**199**	**229**

- महामारी के कारण अमजू तिमाही में संवितरित व्यवसाय ऋणों के संख्या में काफी गिरावट आई है। तथापि जअसि 2020 तिमाही में ऋणों की संख्या में पुनर्प्राप्ति दिखाई देती है।
- जअसि 2020 तिमाही में संवितरित व्यवसाय ऋणों में एनबीएफ़सी और फिनटेक के बाजार हिस्सेदारी बमुश्किल 13% रही।

बकाया संविभाग रुझान

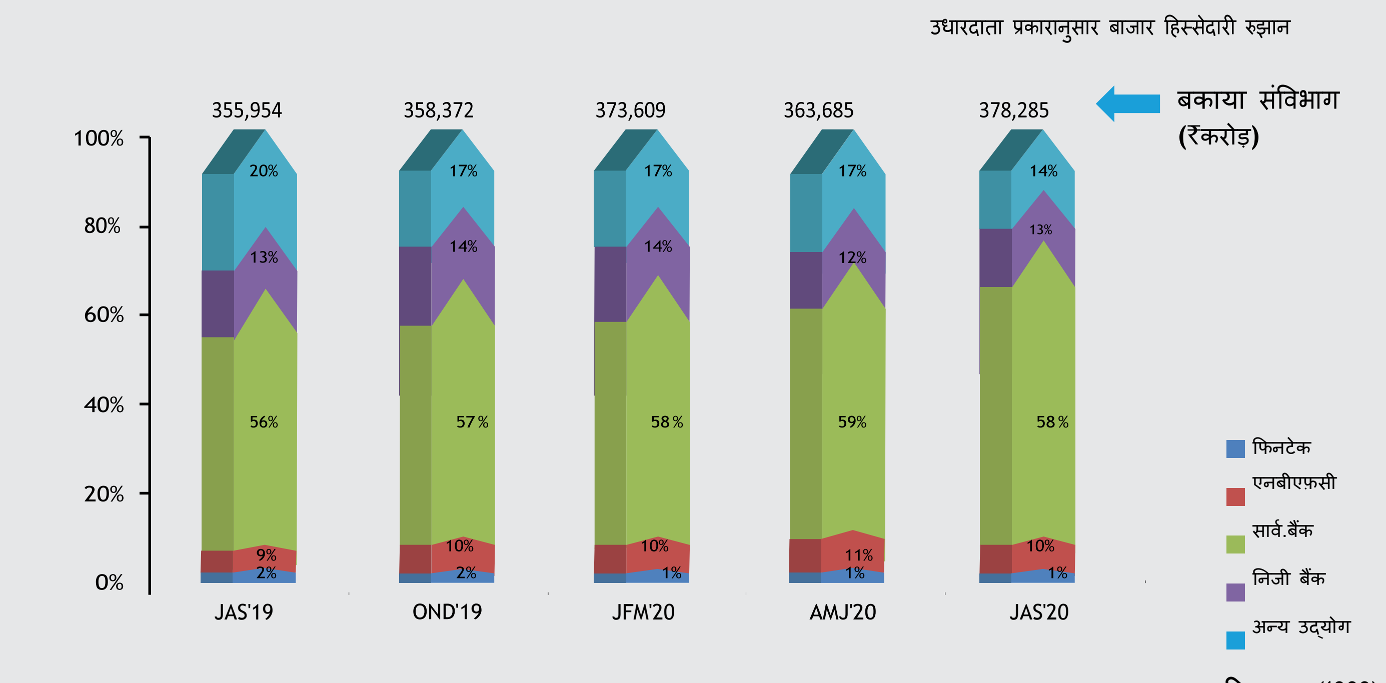

सक्रिय ऋण ('000)

उधारदाता श्रेणी	सितं' 19	दिसं' 19	मार्च' 20	जून' 20	सितं ' 20	वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर %
फिनटेक	99	120	103	108	110	11%
एनबीएफ़सी	736	908	931	900	918	25%
सार्व. बैंक	995	1,212	1,386	1,440	1,470	48%
निजी बैंक	728	681	720	499	632	-13%
शेष अन्य उद्योग	1,194	1,240	1,303	1,315	1,384	16%
उद्योग कुल योग	3,752	4,161	4,443	4,262	4,514	20%
वर्षानुवर्ष संवृद्धि दर %	-	11%	7%	-4%	6%	-

- सकल उद्योग के 20% के औसत की तुलना में फिनटेक में 11% की संवृद्धि दर देखी गई।

व्यवसाय ऋण – सामान्य जोखिम प्रोफाइल

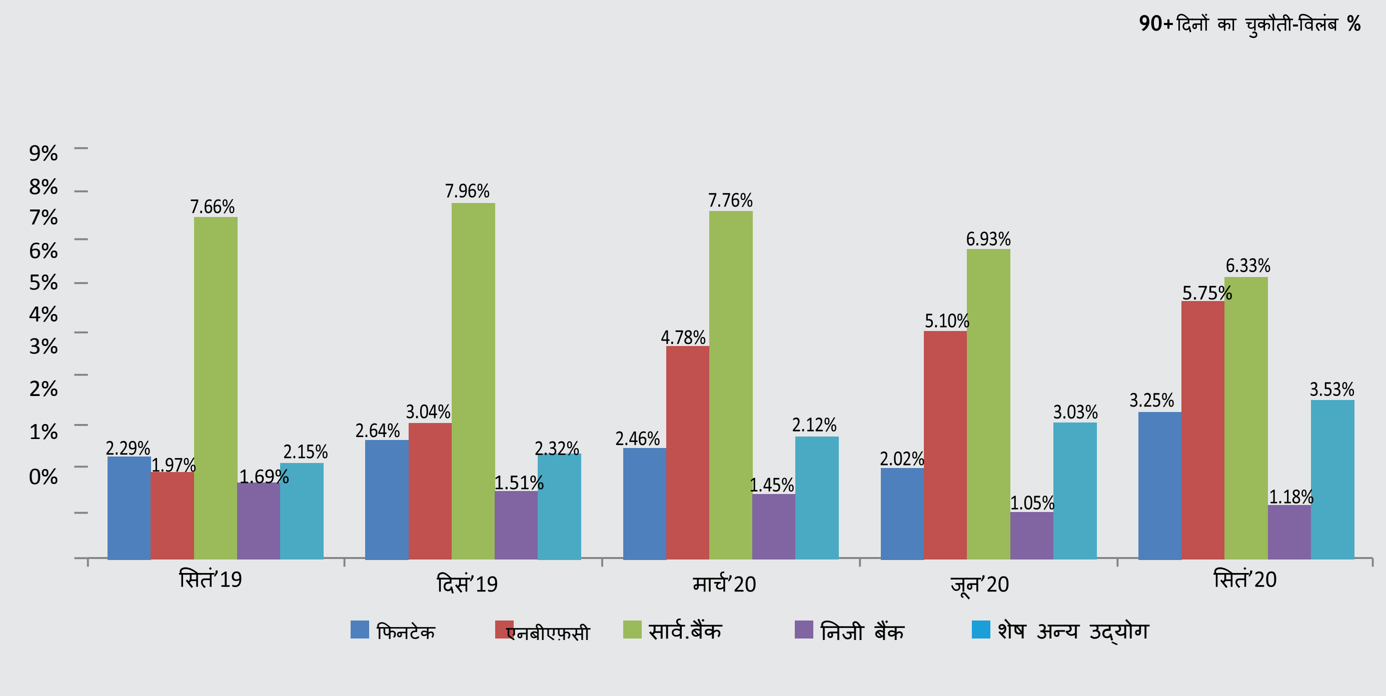

- फिनटेक और एनबीएफ़सी की 90+ दिनों के **अपचारिता** में हमने वृद्धि देखी है जबकि सार्वजनिक बैंक और निजी बैंकों की 90+दिनों के **अपचारिता में** वर्षानुवर्ष कमी दर्ज हुई है।
- फिनटेक की 90+ दिनों की **अपचारिता** की दर सितंबर 2019 के 2.29% से बढ़कर, सितंबर 2020 में 3.25% हो गई।

चुकौती-विलंब का प्रगणन बकाया संविभाग आधार पर है

उत्पाद और भौगोलिक परिदृश्य

फिनटेक का राज्यवार ऋण-जोखिम – संवितरण की दृष्टि से राशि जअसि'20

व्यवसाय ऋण - सामान्य

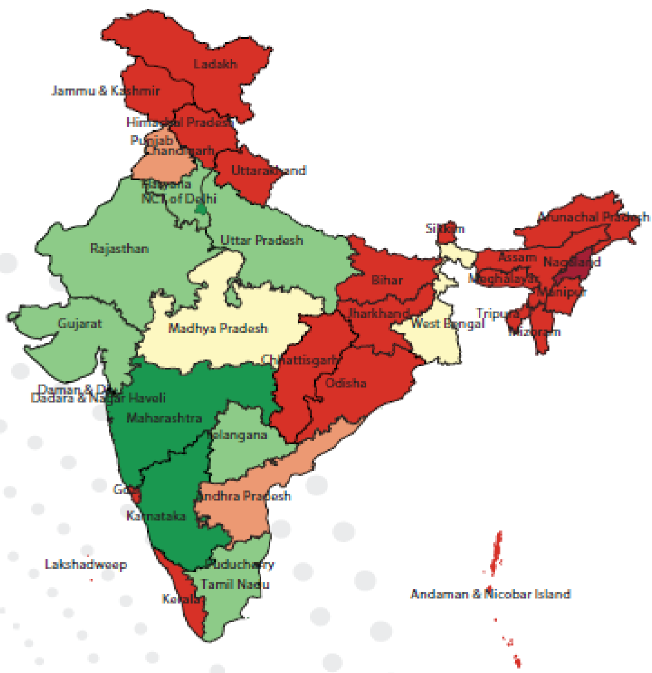

वैयक्तिक ऋण

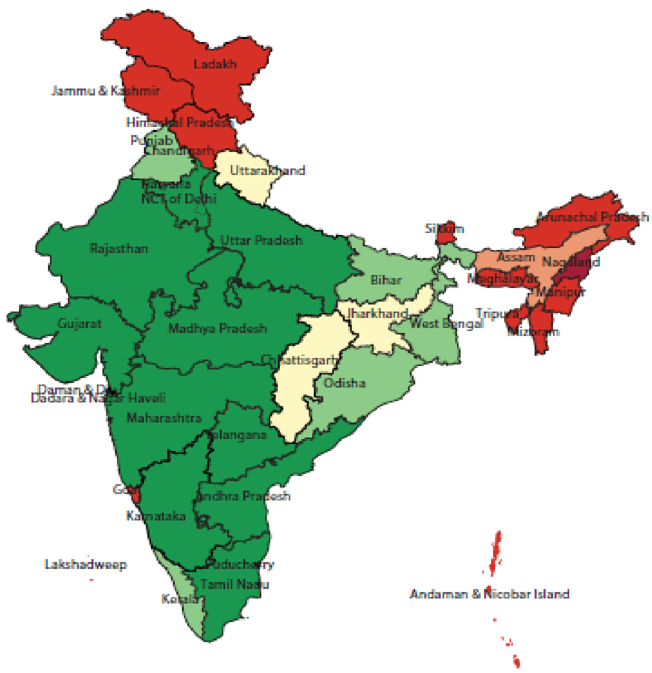

संवितरण राशि के अनुसार प्रवितरण

- <=`5 Crore
- 5 Crore – `10 Crore
- `10 Crore – `25 Crore
- 25 Crore – `50 Crore
- >`50 Crore

- डिजिटल साधनों के प्रयोग द्वारा फिनटेक भारत की बड़ी जनसंख्या तक पहुँच रहे हैं। अधिकतर राज्यों में वैयक्तिक ऋण प्रखण्ड के अंतर्गत जअसि 2020 तिमाही में `50 करोड़ से अधिक का संवितरण देखा गया है।
- व्यवसाय ऋणों का संवितरण लगातार वैयक्तिक ऋणों से पीछे है, विशेषकर भारत के पूर्वी भाग में।

स्रोत अवधि : जुलाई 2020 से सितंबर 2020

राज्य-वार फिनटेक ऋण-जोखिम – बकाया संविभाग यथा सितंबर, 2020 को

व्यवसाय ऋण - सामान्य

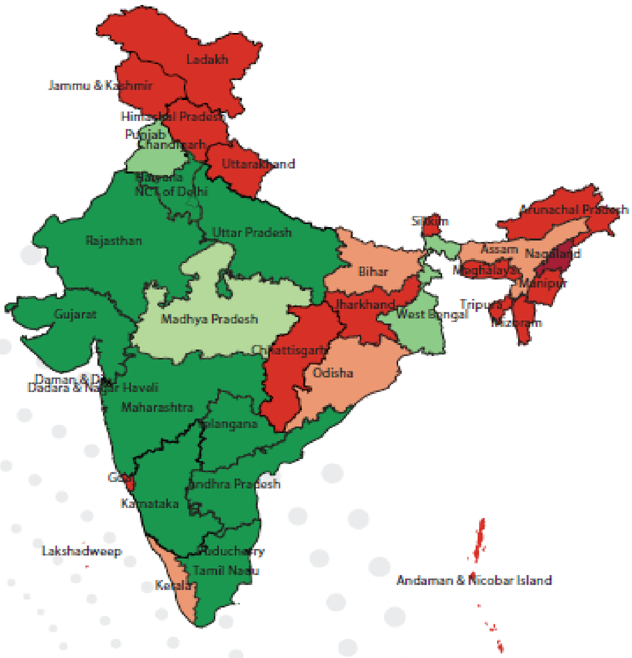

बकाया संविभाग समूह - वितरण

- <=`5 Crore
- `5 Crore – `10 Crore
- `re – `25 Crore
- `25 Crore – `50 Crore
- >`50 Crore

वैयक्तिक ऋण

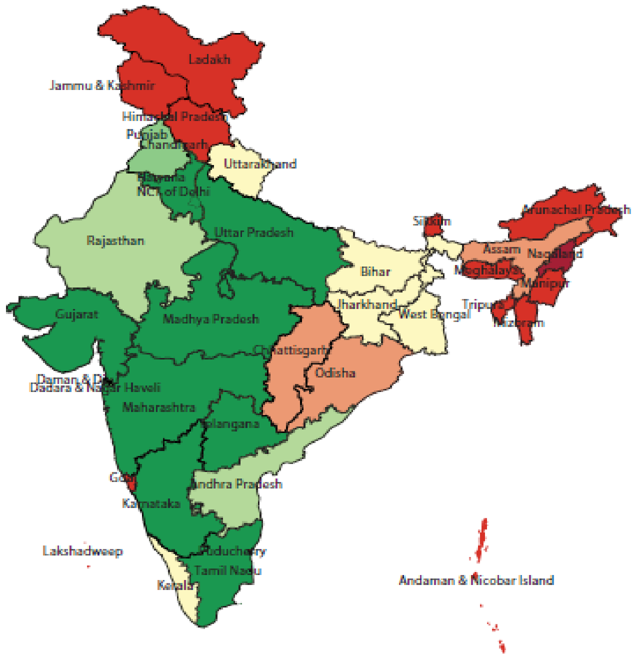

बकाया संविभाग समूह - वितरण

- <=`50 Crore
- `50 Crore – `100 Crore
- `100 Crore – `200 Crore
- `200 Crore – `500 Crore
- >`500 Crore

- भौगोलिक ऋण-जोखिम के क्रम में, जिन राज्यों में व्यावसायिक ऋणों के बकाया संविभाग 50 करोड़ रुपये से अधिक है, वे उन राज्यों से बराबरी में हैं जिनके वैयक्तिक ऋण संबंधी बकाया संविभाग 500 करोड़ से अधिक है।

स्रोतीकरण की अवधि: जुलाई से सितंबर 2020

फिनटेक ऋण जोखिम रुझान

शीर्ष राज्य और शीर्ष उत्पाद

संवितरित ऋणों की सं. (में '000)

उपभोक्ता ऋण	JAS' 19	OND' 19	JFM' 20	AMJ' 20	JAS' 20
उत्तर प्रदेश	196	264	250	100	255
महाराष्ट्र	238	246	173	90	210
दिल्ली	172	168	121	51	123
गुजरात	109	112	79	46	97
राजस्थान	87	102	76	42	92
शीर्ष 5 राज्य - अंशदान का %	58%	59%	58%	47%	53%
अन्य - अंशदान का %	42%	41%	42%	53%	47%
योग	1,380	1,522	1,197	700	1,461

संवितरित ऋणों की सं. (में '000)

Personal Loan	JAS' 19	OND' 19	JFM' 20	AMJ' 20	JAS' 20
Maharashtra	506	772	922	30	218
Karnataka	384	569	670	40	202
Telangana	318	494	575	36	181
Andhra Pradesh	300	444	548	38	157
Tamil Nadu	316	472	603	25	141
Top 5 States - % contribution	53%	54%	53%	41%	50%
Others - % Contribution	47%	46%	47%	59%	50%
Total	3,465	5,138	6,318	409	1,808

- फिनटेक्स से वैयक्तिक ऋण और उपभोक्ता ऋण में अधिकतम मांग परिलक्षित हुई है। फिनटेक्स द्वारा सुविधाजनक ऋण विकल्पों के कारण यात्रा, शादियों, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, व्यक्तिगत ऋणों के लिए अनेकानेक विभेदित ऋण उत्पादों द्वारा विवेकाधीन खर्च की प्रक्रिया प्रोत्साहित हुई है ।
- शीर्ष 5 राज्यों ने फिनटेक द्वारा भारत में वितरित कुल ऋणों का 50% से अधिक का योगदान किया।
- चल रही महामारी के कारण व्यक्तिगत ऋणों में एएमजे'20 के दौरान वितरित ऋणों की संख्या में भारी गिरावट आई थी, जेएएस'20 रिकवरी के लक्षण दिखे है और कोविड-पूर्व स्तर अभी तक प्राप्त किया जाना शेष है

भौगोलिक 90+ अपचारिता

व्यवसाय ऋण - सामान्य				
शीर्ष राज्य	90+ अपचारिता % (ऋणों की सं.)		90+ अपचारिता % (ब. सं.)	
	फिन्टेक	राज्य अपचार	फिन्टेक	राज्य अपचार
महाराष्ट्र	4.21%	6.58%	4.10%	6.85%
कर्नाटक	2.48%	16.57%	2.47%	5.73%
तमिलनाडु	4.38%	6.91%	3.86%	4.86%
राजस्थान	1.32%	2.15%	1.62%	0.94%
तेलंगाना	2.67%	5.33%	2.67%	5.32%

उपभोक्ता ऋण				
शीर्ष राज्य	90+ अपचारिता % (ऋणों की सं.)		90+ अपचारिता % (ब. सं.)	
	फिन्टेक	राज्य अपचार	फिन्टेक	राज्य अपचार
महाराष्ट्र	5.80%	1.64%	15.95%	3.81%
उत्तर प्रदेश	0.66%	1.34%	1.26%	1.87%
दिल्ली	1.13%	1.33%	3.01%	2.65%
कर्नाटक	1.91%	1.49%	5.29%	3.22%
गुजरात	0.89%	0.97%	1.91%	2.86%

वैयक्तिक ऋण				
शीर्ष राज्य	90+ अपचारिता % (ऋणों की सं.)		90+ अपचारिता % (ऋणों की सं.)	
	फिनटेक	राज्य अपचार	फिनटेक	राज्य अपचार
महाराष्ट्र	4.45%	3.60%	2.25%	1.44%
दिल्ली	3.46%	3.72%	1.39%	1.11%
कर्नाटक	5.10%	2.45%	3.17%	0.91%
गुजरात	3.21%	2.86%	1.09%	1.06%
उत्तर प्रदेश	4.55%	2.47%	1.28%	0.67%

- फिनटेक्स ऋण संख्या और संविभाग बकाया के आधार पर व्यवसाय ऋण श्रेणी में 5% से कम की 90+ अपचार की दर बनाए हुए है ।
- उपभोक्ता ऋण श्रेणी में, महाराष्ट्र में फिनटेक द्वारा संवितरित ऋणों के संबंध में सबसे अधिक अपचार की दर रेखांकित हुई है।
- उपभोक्ता ऋणों के संबंध में 90+ अपचार की स्थिति महाराष्ट्र में 15.95% है, जो राज्य के औसत 3.81% से कहीं अधिक है।
- वैयक्तिक ऋण खंड विशेष में, शेष उद्योगों की तुलना में फिनटेक्स की औसत अपचार की दर अधिक है।

फिनटेक ऋणों की अवधि

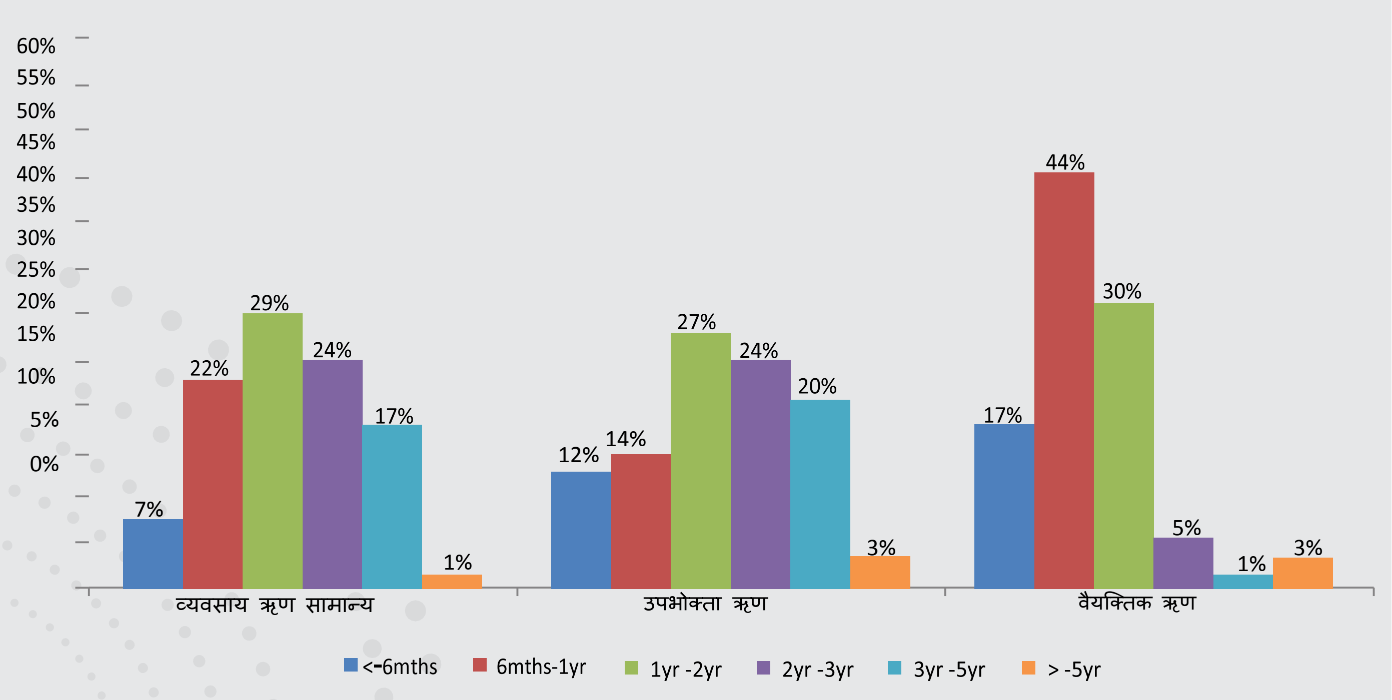

- वैयक्तिक ऋणों की अवधि 1 दिन से 2 वर्ष की अवधि के साथ अधिकतर अल्प अवधि के होते हैं, 91% ऋण इस अवधि में आते हैं।
- 71% उपभोक्ता ऋणो की अवधि 1 वर्ष और 5 वर्ष के बीच हैं।
- 75% व्यापार ऋणों की अवधि 6 महीने से 3 वर्ष के बीच है।

फिनटेक पर कोविड-19 का प्रभाव

फिनटेक के नए ऋण

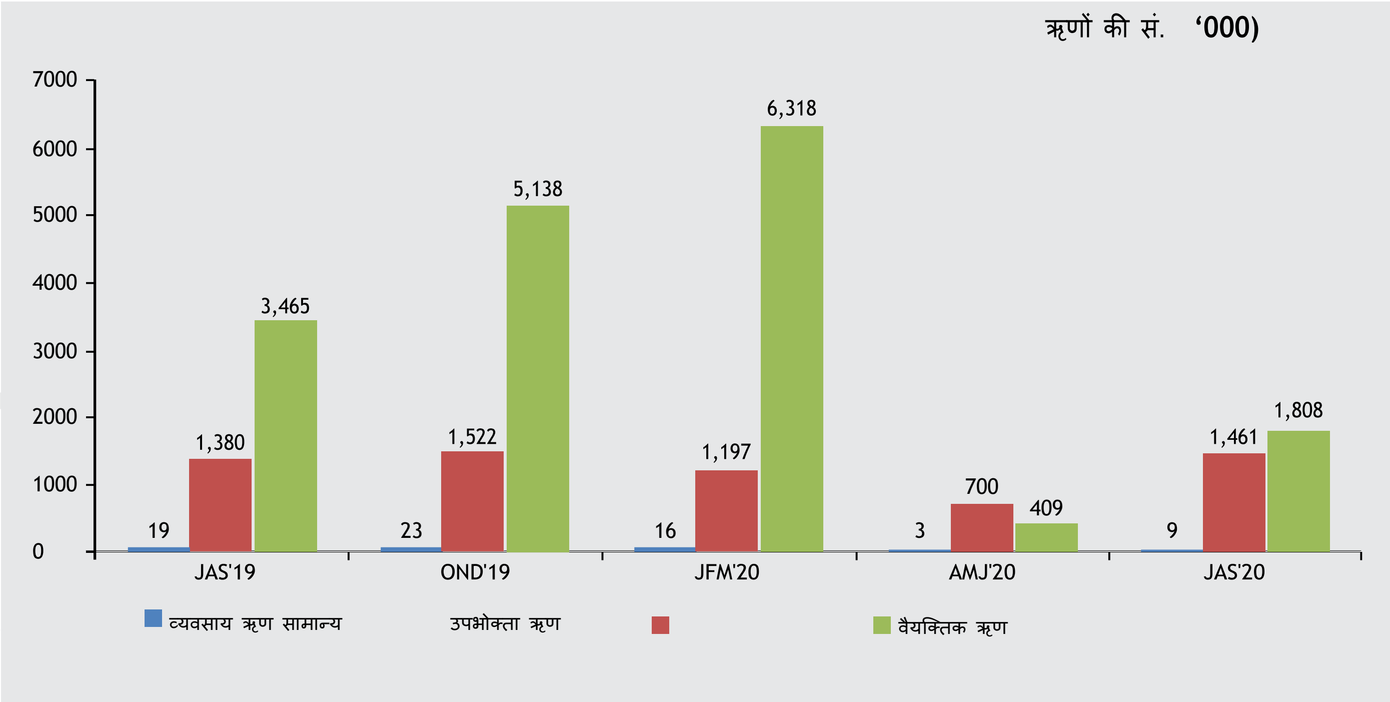

- हालांकि, उपभोक्ता ऋणों में जुलाई -अगस्त-सितंबर'19 की तुलना में नए ऋणों की संख्या में वृद्धि देखी गई, वैयक्तिक ऋणों में जनवरी फरवरी मार्च 20 की तुलना में जुलाई -अगस्त-सितंबर'20 में 71% की गिरावट के साथ नए ऋण संवितरण में एक महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई।
- फिनटेक द्वारा जुलाई अगस्त सितंबर,' 19 में संवितरित व्यवसाय ऋणों की संख्या 1900 की तुलना में जनवरी फरवरी मार्च 20 में महत्वपूर्ण रूप से गिरावट हुई और यह संख्या 9000 रही।

फिनटेक संवितरण राशियाँ

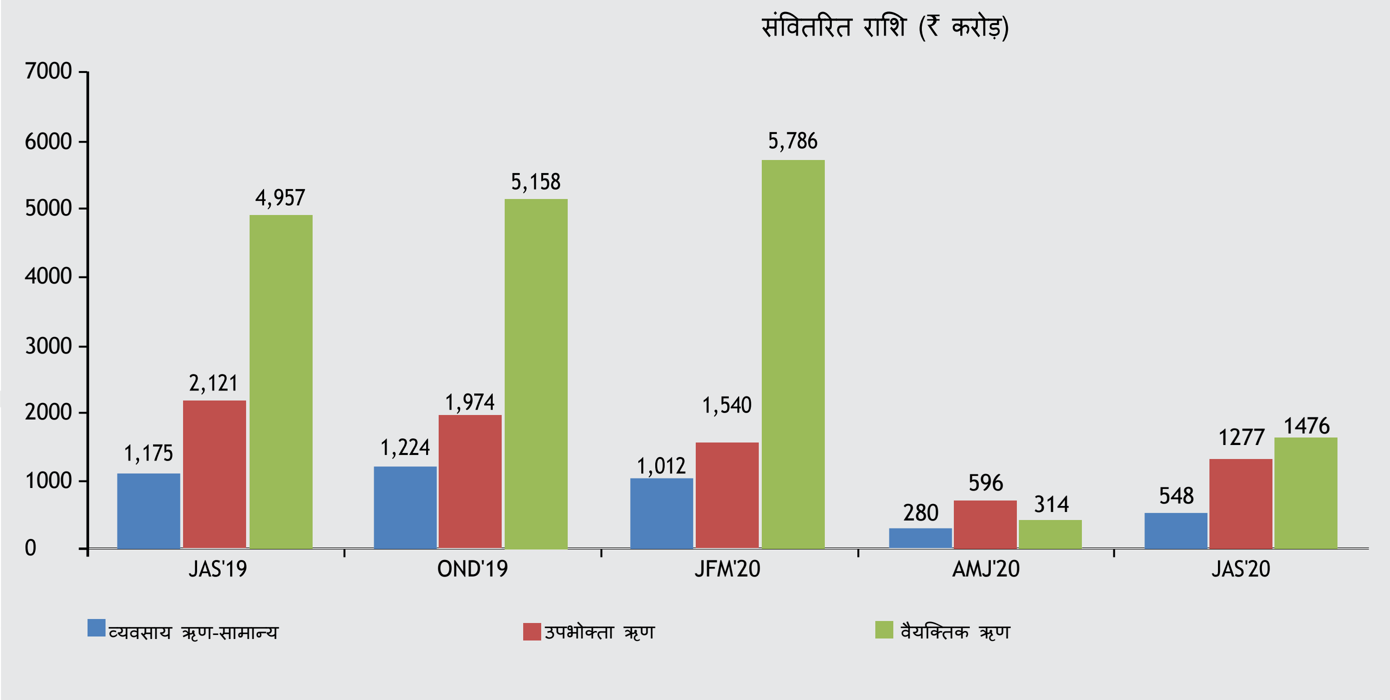

- जुलाई अगस्त सितंबर'19 की तुलना में जुलाई अगस्त सितंबर'20 में कुल संवितरण में 60% की **गिरावट** है।
- संवितरण राशि में उपभोक्ता ऋणों की कुल हिस्सेदारी बढ़ी है जबकि व्यक्तिगत ऋण में गिरावट हुई है। हालांकि अप्रैल मई जून के लॉकडाउन महीनों में संवितरित मात्रा में भारी गिरावट देखी गई है, लेकिन जुलाई अगस्त सितंबर'20 महीनों में इसे उबरते देखा गया है, हालांकि यह कोविड पूर्व स्तरों से बहुत कम है।

वैयक्तिक ऋण - शीर्ष 10 राज्य

शीर्ष फिनटेक उत्पादों (पीओएस) की तिमाही बाज़ार हिस्सेदारी

वैयक्तिक ऋण	जुअसि'19 ऋणों की सं. ('000 में)	जुअसि'20 ऋणों की सं. ('000 में)	%संवृद्धि	30 सितंबर 2020 को कोविड-19 के कुल मामले
महाराष्ट्र	506	218	-57%	1,224,380
कर्नाटक	384	202	-47%	526,876
तेलंगाना	318	181	-43%	174,774
आंध्र प्रदेश	300	157	-48%	631,749
तमिल नाडु	316	141	-55%	552,674
उत्तर प्रदेश	242	135	-44%	358,893
गुजरात	168	109	-35%	124,767
राजस्थान	188	105	-44%	116,881
मध्य प्रदेश	162	83	-49%	108,167
दिल्ली	151	71	-53%	249,259

- कोविड-19 का फिनटेक वित्तपोषण उद्योग पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा था। सभी शीर्ष 10 राज्यों में दोहरे अंकों में गिरावट देखी गई, जिनमें से 3 राज्यों में संवितरित ऋणों की संख्या में 50% से अधिक की गिरावट है।

आंकड़े स्रोत - www.covid19india.org

उपभोक्ता ऋण सामान्य - शीर्ष 10 राज्य

उपभोक्ता ऋण	जुअसि'19 ऋणों की सं. ('000 में)	जुअसि'20 ऋणों की सं. ('000 में)	संवृद्धि %	30 सितंबर 2020 को कोविद-19 के कुल मामले
उत्तर प्रदेश	196	255	30%	358,893
महाराष्ट्र	238	210	-12%	1,224,380
दिल्ली	172	123	-28%	249,259
गुजरात	109	97	-11%	124,767
राजस्थान	87	92	5%	116,881
हरियाणा	87	85	-2%	114,870
बिहार	26	83	220%	171,465
मध्य प्रदेश	88	71	-19%	108,167
कर्नाटक	70	64	-8%	526,876
पंजाब	65	62	-5%	99,930

- उपभोक्ता ऋणों ने विकास दर के संदर्भ में बहुत ही अनियमित व्यवहार प्रदर्शित किया
- जहां यूपी, बिहार और राजस्थान जैसे राज्यों में सकारात्मक वृद्धि देखी गई, वहीं अन्य शीर्ष 10 राज्यों में शेष ऋणों की संख्या में कमी देखी गई

आंकड़े स्रोत - www.covid19india.org

व्यवसाय ऋण सामान्य - शीर्ष 10 राज्य

व्यवसाय ऋण सामान्य	जुअसि'19 ऋणों की सं. ('000 में)	जुअसि'20 ऋणों की सं. ('000 में)	%संवृद्धि	30 सितंबर 2020 को कोविद-19 के कुल मामले
महाराष्ट्र	2.3	1.5	-37%	1,224,380
कर्नाटक	2.3	1.0	-57%	526,876
राजस्थान	2.1	1.0	-52%	116,881
दिल्ली	2.1	0.8	-61%	249,259
तमिल नाडु	1.3	0.7	-50%	552,674
तेलंगाना	1.2	0.6	-48%	174,774
उत्तर प्रदेश	1.5	0.6	-61%	358,893
मध्य प्रदेश	0.8	0.5	-44%	108,167
गुजरात	0.9	0.5	-42%	124,767
आंध्रा प्रदेश	0.6	0.3	-48%	631,749

- सम्पूर्ण भारत में ऋणों की संख्या में महत्वपूर्ण ढंग से गिरावट आई है, हालांकि कोविड मामलों और ऋण वृद्धि की संख्या में कोई स्पष्ट सह-संबंध नहीं देखा गया है। यह संभावना है कि विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए गए विभिन्न उपायों ने आर्थिक संवृद्धि को प्रभावित किया है, न कि कोविड मामलों की संख्या ।

आंकड़े स्रोत - www.covid19india.org

फिनटेक औसत टिकट साइज़

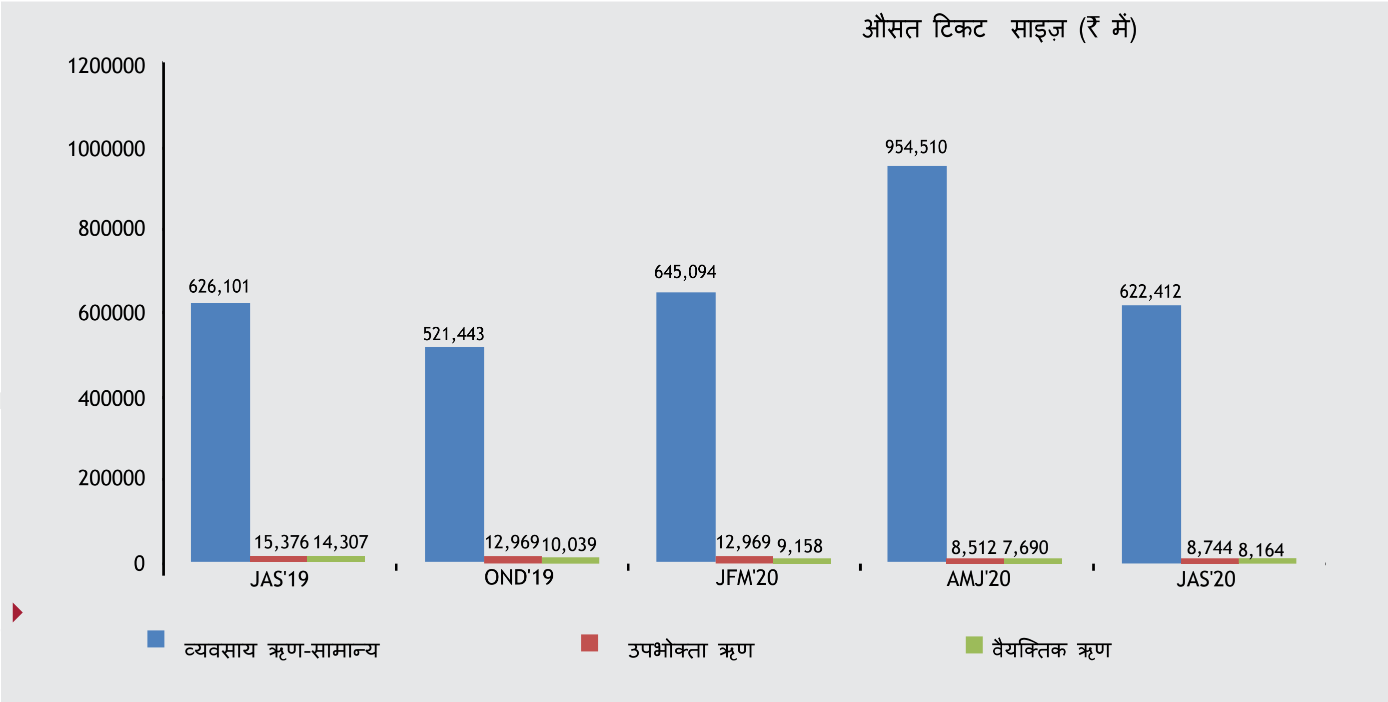

वैयक्तिक ऋण और उपभोक्ता ऋणों के लिए औसत टिकट साइज़ दूसरे तिमाही में महत्वपूर्ण ढंग से नीचे गिरकर 9000 रहा है। यह उपभोक्ता वस्तुओं के लिए ऋणों की बढ़ती संख्या के कारण हो सकता है जो कि कोविड महीनों के दौरान कम हो गया था क्योंकि लोग घरेलू उपकरणों और अन्य वस्तुओं पर पिल पड़े थे। कम अवधि के टिकट ऋणों ने उच्च टिकट ऋणों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है, जिससे औसत टिकट आकार में गिरावट आई है।

संक्षेपाक्षर एवं शब्दावली

- एटीएस (औसत टिकट आकार) = संवितरण राशि / ऋणों की संख्या
- डीपीडी = दिनों के पिछले देय
- लाइव पीओएस अथवा सक्रिय ऋण - 0 से 179 डीपीडी + नए खाते + चालू खाते
- पीओएस = बकाया संविभाग
- 90+ अपचारिता = 90-179 डीपीड़ी/ लाइव पीओएस
- आरओआई = बाकी उद्योग (को-ओपेराटिव बैंक डीसीसीबी, आरआरबी, विदेशी बैंक, एचएफसी एवं एसएफबी)
- जेएएस'19 = जुलाई 2019 से सितंबर, 2019
- ओएनडी'19 = अक्तूबर 2019 से दिसंबर 2019
- जेएफएम'20 = जनवरी 2020 से मार्च 2020
- एएमजे'20 + अप्रैल 2020 से जून 2020
- जेएएस'20 = जुलाई 2020 से सितंबर 2020

- यह रिपोर्ट 78 एनबीएफसी-फिनटेक का विश्लेषण है जो इक्विफैक्स को डेटा प्रस्तुत करता है। सितंबर 2019 तक प्रस्तुत के आधार पर, डेटा ~ 78 फिनटेक संस्थानों पर विवरण शामिल है। सितंबर 2020 के अंत तक प्रस्तुति के आधार पर यह संख्या लगभग ~ 96 फिनटेक संस्थाओं की है।

सिडबी के बारे में

संसद के एक अधिनियम के तहत 1990 में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की स्थापना की गई है। सिडबी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई सेक्टर) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास के तीसरे एजेंडे को क्रियान्वित करने और समान गतिविधियों में लगे विभिन्न संस्थानों के कार्यों के समन्वय के लिए प्रमुख वित्तीय संस्थान के रूप में काम कर रहा है। वर्षों से अपने विभिन्न वित्तीय और विकासात्मक उपायों के माध्यम से, बैंक ने समाज के विभिन्न स्तरों पर लोगों के जीवन को स्पर्श किया है, पूरे एमएसएमई स्पेक्ट्रम पर उद्यमों को प्रभावित किया है और एमएसएमई पारितंत्र में कई विश्वसनीय संस्थाओं के साथ काम किया है। विज़न 2.0 के तहत, सिडबी ने एमएसएमई सेक्टर में सूचना विषमता को दूर करने के लिए व एमएसएमई इकाइयों की आर्थिक स्थिति को समझने हेतु एमएसएमई पल्स के अलावा एमएसएमई सेंटीमेंट को देखने के लिए क्रिसिडेक्स तथा फिनटेक लेंडिंग सेगमेंट पर ऋण आंकड़े की अंतर्दृष्टि के लिए फिनटेक पल्स और माइक्रोफाइनांस पल्स जैसी पहलों की शुरुआत की है।

इक्विफैक्स के बारे में

इक्विफैक्स एक वैश्विक सूचना समाधान कंपनी है जो विश्वसनीय अद्वितीय आंकड़ें, नवोन्मेषी विश्लेषण, प्रौद्योगिकी और उद्योग विशिष्टता का प्रयोग करके ज्ञान को अंतर्दृष्टि में परिवर्तित करके विश्व भर के शक्तिशाली संगठनों और व्यक्तियों को व्यापारगत और व्यक्तिगत अधिक सुविज्ञ निर्णय लेने में मदद करता है।

इक्विफैक्स का मुख्यालय अटलांटा, जार्जिया में है और उत्तरी अमेरिका, मध्य और दक्षिण अमेरिका, यूरोप और एशिया प्रशांत क्षेत्र के 24 देशों में इसका निवेश है या/ और अपना परिचालन करता है। यह स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एस एंड पी) 500® इंडेक्स का सदस्य है और यह EFX चिह्न के तहत इसके सामान्य स्टॉक का कारोबार न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) से होता है। दुनिया भर में इक्विफैक्स के 11,000 कर्मचारी हैं। ऋण उद्योग में 120 वर्षों से अधिक की वैश्विक विरासत के साथ, 2010 में, इक्विफैक्स ने भारतीय बाजार में उपस्थिति स्थापित की और भारतीय रिजर्व (आरबीआई) द्वारा इसे सीआईसी के रूप में संचालित करने के लिए लाइसेंस दिया गया था। पिछले 9 वर्षों में, क्रेडिट ब्यूरो के सदस्यों की संख्या बैंकों, एनबीएफसी, एमएफआई और बीमाकर्ताओं सहित 4000+ सदस्यों तक बढ़ गई है। ये सदस्य लाखों भारतीय उपभोक्ताओं की जनसांख्यिकीय और पुनर्भुगतान संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं। 2014 में, इक्विफेक्स ने एक एनालिटिक्स फर्म के अधिग्रहण के माध्यम से भारत में अपने दायरे को आगे बढ़ाया है। भारत में इक्विफैक्स एनालिटिक्स प्रा. लिमिटेड इक्विफैक्स की पूरी तरह से स्वामित्व वाली एनालिटिक्स इकाई है, जो कारोबार के प्रदर्शन और उपभोक्ताओं के जीवन दोनों को समृद्ध करने वाले अद्वितीय अनुकूलित विश्लेषणात्मक समाधान प्रदान करती है।

अस्वीकरण

फिनटेक पल्स (रिपोर्ट) इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (इक्विफैक्स) द्वारा तैयार किया गया है। रिपोर्ट का उपयोग, उपयोगकर्ता इस शर्त के साथ स्वीकार करता है कि इस तरह का उपयोग इस अस्वीकरण के अधीन है। यह रिपोर्ट मार्च 2020 तक इक्विफैक्स के सदस्य संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के संकलन पर आधारित है। यद्यपि रिपोर्ट तैयार करने में इक्विफैक्स उचित ध्यान रखता करता है, परंतु संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत गलत या अपर्याप्त जानकारी के कारण सटीकता, त्रुटियों और / या चूक के लिए वह जिम्मेदार नहीं होगा। इसके अलावा, इक्विफैक्स किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए रिपोर्ट और / या इसकी उपयुक्तता में सूचना की पर्याप्तता या पूर्णता की गारंटी नहीं देता है और न ही इक्विफैक्स रिपोर्ट के माध्यम से किसी भी पहुँच या विश्वसनीयता के लिए उत्तरदायी है और इक्विफैक्स स्पष्ट रूप से सभी दायित्वों से इंकार करता है। यह रिपोर्ट किसी भी आवेदन, उत्पाद की अस्वीकृति / या स्वीकृति के लिए सिफारिश नहीं है और न ही इक्विफैक्स द्वारा (i) ऋण देने और नहीं देने के लिए कोई सिफारिश या (ii) संबंधित व्यक्ति के साथ किसी भी वित्तीय संव्यवहार शुरू करने या नहीं करने से संबन्धित है। रिपोर्ट में निहित जानकारी परामर्श नहीं देती है और उपयोगकर्ता को इस रिपोर्ट में निहित जानकारी के आधार पर कोई भी निर्णय लेने से पहले विवेकपूर्ण विचार कर सभी आवश्यक विश्लेषण करना चाहिए। रिपोर्ट का उपयोग ऋण सूचना कंपनियां (विनियमावली) अधिनियम 2005, ऋण सूचना कंपनी विनियमवाली, 2006, ऋण सूचना कंपनियां नियम, 2006 के प्रावधानों के तहत संचालित है। रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा बिना पूर्व अनुमोदन के प्रतिलिपिबद्ध, प्रकाशित या परिचालित नहीं किया जाना चाहिए।

संपर्क विवरण

इक्विफैक्स क्रेडिट इंफॉर्मेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
यूनिट नंबर 931, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नंबर 9,
त्यागी कॉर्पोरेट पार्क, अंधेरी - घाटकोपर लिंक रोड,
अंधेरी ईस्ट, मुंबई - 400 093

टोल फ्री नं .: 1800 2093247
ecissupport@equifax.com

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
स्वावलंबन भवन , प्लाट संख्या . C-11, 'जी ' ब्लाक
बांद्रा कुर्ला काम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व),
मुंबई - 400051 महाराष्ट्र
टोल फ्री नंबर .: 1800 22 6753
www.sidbi.in/en

Copyright © 2021, Equifax Inc., Atlanta, Georgia. All rights reserved. Equifax is a registered trademarks of Equifax Inc.